गणेश जी की आरती

जय गणेश, जय गणेश,जय गणेश देवा। माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥

एकदन्त दयावन्त,चार भुजाधारी । माथे पर तिलक सोहे, मूसे की सवारी ॥

पान चढ़े फूल चढ़े,और चढ़े मेवा । लड्डुअन का भोग लगे, सन्त करें सेवा ॥

जय गणेश, जय गणेश,जय गणेश देवा । माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥

अँधे को आँख देत, कोढ़िन को काया । बाँझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ॥

सूर श्याम शरण आए, सफल कीजे सेवा । माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा । माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥